



राज्य मंत्री
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण
भारत सरकार
MINISTER OF STATE
ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE
CONSUMER AFFAIRS, FOOD & PUBLIC DISTRIBUTION
GOVERNMENT OF INDIA

अश्विनी कुमार चौबे
Ashwini Kumar Choubey

पत्रांक - आ०-वि०-11 दिनांक 11/03/2021

आदरणीय मुख्यमंत्री जी ,
बिहार सरकार।

विषय - केंद्र सरकार के प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना अन्तर्गत सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ,
भागलपुर सहित गया , मुजफ्फरपुर , दरभंगा एवं पटना को यथाशीघ्र उद्घाटनोंउपरांत अन्तर्रोगी
भर्ती व्यवस्था (IPD) चालू कराने के संबंध में ।

उपरोक्त विषय के संदर्भ में सादर सूचित करना है कि पी.एम.एस.एस. चाई अन्तर्गत केंद्र एवं राज्य
सरकार के (60:40) सहयोग राशि से भागलपुर एवं गया सुपर स्पेशलिटी अस्पताल , जो आदरणीय
प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा 17 फरवरी -2019 को तत्कालीन मा० राज्यपाल महोदय अद्वैत
लाल जी टंडन एवं आपकी (मुख्यमंत्री जी) गरीमागयी उपस्थिति में बेगूसराय से एकीकृत
"आनलाइन शिलान्यास" कार्यक्रम संपन्न हुआ था, जिसमें मैं एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व० सुशील कुमार
मोदी जी तथा प्रमुख विशिष्टजन भी उपस्थित थे । इसके बाद सी.पी. डब्ल्यू.डी (CPWD) द्वारा
निर्माण कार्य प्रारंभ होकर वर्ष 2021 - 22 में समाप्त हुआ ।

आदरणीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व एवं तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जगत प्रकाश नन्दा जी के
सानिध्य में मैंने केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री के रूप में उपरोक्त सभी अस्पतालों का समय- समय पर
तीन - चार बार निरीक्षण कर कार्य की गति को काफी आगे बढ़ाने का हर संभव प्रयास किया ।
आपका भी राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में काफी ध्यान रखने व निगरानी से निरंतर कार्य में प्रगति होते
रहा । यहाँ तक कि कोविड -19 काल खंड में केंद्र सरकार द्वारा अधिकाधिक मदद से बिहार में
कोविड से बचाव का प्रशंसनीय कार्य हुआ ।

विदित हो कि भागलपुर मेरा जन्म एवं कर्म स्थली रहा है एवं अपने गृह क्षेत्र से पाँच बार लगातार
जनप्रतिनिधि (विधायक) तथा अपने कर्म भूमि तपोस्थली बक्सर से दस वर्ष लगातार सांसद रहते
हुए बिहार राज्य एवं केंद्र सरकार में सोलह वर्षों से भी अधिक समय तक मंत्री परिषद का सदस्य
रह चुका हूँ । उक्त अवधि में मेरे प्रयास से कई उल्लेखनीय कार्य हुए हैं । इन जगहों से मेरा
आत्मीय जुड़ाव स्वाभाविक है । विशेषकर भागलपुर से मेरा जन्म- जन्मांतर का संबंध रहने के
कारण बचपन से ही लगाव है । जवाहरलाल मेडिकल कॉलेज अस्पताल , भागलपुर स्थित सुपर

अश्विनी कुमार चौबे
Ashwini Kumar Choubey

स्पेशलिटी भवन का नीच डालने से निर्माण अवधि तथा केंद्रीय मंत्री परिषद का सदस्य रहने तक एक दर्जन से भी अधिक बार वहाँ जाकर निरीक्षण कार्य किया। यहाँ तक कि कोविड -19 के दौरान भी एक - आध माह छोड़ कर निर्माण कार्य अवाध गति से होता रहा, जिसका मैं सतत निगरानी भी करते रहा हूँ। सन् 2017 से अपने कार्यकाल (मंत्री परिषद के सदस्य के रूप में) केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्तर पर दर्जनों बार उपरोक्त अस्पतालों के प्रगति की समीक्षा बैठकें विभिन्न पदाधिकारियों के साथ कर, उन्हें निर्देशित करते रहा। कई बार केंद्र एवं राज्य सरकार के उच्च स्तरीय प्रतिनिधियों के साथ आवश्यक बैठकों के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा यथाशीघ्र चिकित्सकी एवं चिकित्सा कर्मियों के संबंध में बल प्रदान करते हुए निर्देशित भी किया था। इस आशय का कई बार राज्य सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय को स्मार पत्र भी प्रेषित किया गया था।

स्वास्थ्य मंत्रालय की जिम्मेवारी से मुक्त होने के बावजूद भी मैंने (वर्ष 2022 के जुलाई - अगस्त से वर्ष 2023 तक) लगभग डेढ़ वर्षों तक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तत्कालीन मंत्री, सचिव, एवं अन्य अधिकारी स्तर पर लगातार संपर्क कर अपने इस "ड्रीम प्रोजेक्ट" सुपर स्पेशलिटी अस्पताल भागलपुर में कम से कम वाह्य रोग भर्ती (ओ.पी.डी) शुभारंभ करने का अथक प्रयास किया, किंतु दुर्भाग्यवश राज्य स्वास्थ्य मंत्रालय के तत्कालीन मंत्री के कान में जू तक नहीं रेंगा और ना ही उनकी इच्छा शक्ति थी। यहाँ तक कि इस अस्पताल में वे या कोई मंत्री झांकने तक नहीं आया। इस असहयोगात्मक रवैया से परेशान होकर मैं निराश हो गया था।

विश्वस्त सूत्र से यह सुखद जानकारी मिली है कि आगामी दिनांक - 6-7 सितंबर, 2024 को भागलपुर सहित उपरोक्त अस्पतालों में "वाह्य रोगी भर्ती" (OPD) का उद्घाटन माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री नाइडा जी के कर कमलों से होना निश्चित हुआ है, जो कुछ हद तक आशा की किरण दिखाई पड़ रही है। इस शुभ अवसर पर मुझे भागलपुर का एक नागरिक होने के नाते आमंत्रित भी नहीं किया गया, जिसका मुझे अपार कष्ट है। "खैर, समय बड़ा बलवान होता है"।

मुझे अफसोस है कि भागलपुर के आम नागरिकों की इस व्यथा को कोई ठीक से समझ नहीं पाया। ज्ञातव्य हो कि अब तक पारिवारिक एवं आत्मीय रूप से जुड़े सैकड़ों लोगों का वहाँ के अस्पताल में समुचित चिकित्सा व्यवस्था के अभाव में आये दिन हार्ट अटैक, ब्रेन हैमरेज एवं सड़क दुर्घटनाओं सहित अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित रोगियों की अच्छी इलाज हेतु पटना, कोलकता, सिलीगुड़ी,

अश्विनी कुमार चौबे
Ashwini Kumar Choubey

आहारशुद्धी सत्त्वशुद्धि:



दिल्ली आदि के रास्ते के जाने के क्रम में समय समय पर हुए आकस्मिक मृत्यु की घटनाएँ सुर्खियों में रही हैं, जिससे काफी मर्माहत होता रहा हूँ। यहाँ तक कि वर्षों पूर्व मैं अपनी माँ एवं विगत वर्ष अपने छोटे भाई एवं छोटे चाचा जी की भागलपुर स्थित अस्पताल में समुचित चिकित्सा के अभाव में "हार्ट अटैक" से हुए मौत के गम से अभी तक उभर नहीं पाया हूँ।

उद्घाटन होना अच्छी बात है, किंतु इतने समय के बाद भी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, भागलपुर में अंतररोगी भर्ती (IPD) प्रारंभ नहीं होने तथा सिर्फ और सिर्फ कुछ ही विभागों के (OPD) का भी अधूरा कार्य केवल इस नवनिर्मित अस्पताल भवन में मरीजों को देखने का होगा। किंतु जॉच - पड़ताल एवं दवा आदि यहाँ से लगभग दो किलोमीटर दूर पुराने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में होगा, जो वस्तुतः जनहित में रोगियों के लिए काफी कष्टदायक सिद्ध होगा, जिसका मुझे मलाल है।

मैं किसी पद पर रहूँ या ना रहूँ इसका महत्व नहीं है। बल्कि यहाँ की जनता के साथ गहरा लगाव रहने के वजह से उनका परस्पर विश्वास एवं दवाव भी मुझपर बना रहता है। यही कारण है कि वहाँ के मीडिया में आए दिन प्रायः मेरे इस "ड्रीम प्रोजेक्ट" (सुपर स्पेशलिटी अस्पताल भागलपुर) के आरंभ नहीं होने से मेरे नाम का बारंबार उल्लेख करते हुए नकारात्मक समाचार भी आते रहता है, जिससे मेरा मन व्यथित हो जाता है।

अतः आम लोगों की वेदना से व्यथित होकर इस त्राहिमाम संदेश को अपने व्यक्तिगत पत्र के माध्यम से कारवध प्रार्थना है की इस गंभीर समस्या के निदान हेतु आप अपने स्तर से सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, भागलपुर में अगले तीन-चार माह के अंदर सभी संकायों के चिकित्सकों एवं चिकित्साकर्मियों की स्थाई या वैकल्पिक व्यवस्था सहित अन्य सभी उपरोक्त अस्पतालों में अंतररोगी भर्ती (IPD) की त्वरित व्यवस्था सुनिश्चित कर चालू कराने का कष्ट करें, ताकि भविष्य में हजारों लोगों की आकस्मिक मौत से बचाया जा सके, अन्यथा मुझ सहित आम जनता को बाध्य होकर सत्याग्रह करना पड़ सकता है।

साथ ही आदरणीय प्रधानमंत्री जी द्वारा इस अस्पताल का हुए "ऑनलाइन शिलान्यास" का शिलापट्ट भी अस्पताल भवन के मुख्य द्वार पर लगाने हेतु निर्देशित करने का कष्ट करें। विदित हो कि पूर्व में अस्पताल परिसर में शिलापट्ट / होर्डिंग लगा हुआ था, जो बाद में हटा लिया गया। यह मीडिया सहित आम लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

अतएव उक्त अस्पताल को पूर्णरूपेण (IPD) शुभारंभ करने हेतु पुण्य कार्य का आप स्वयं भागी बने - ऐसा विनंतीपूर्वक आग्रह है।

प्रतिक्रिया: श्री नितेश कुमार, मुख्यमंत्री, बिहार, पटना, 10 दिनांक 11/08/2023

सैवाग्रह

सादर,

श्री नितेश कुमार

मुख्यमंत्री, बिहार, पटना।

श्री अश्विनी कुमार चौबे
मुख्यमंत्री, बिहार, पटना।